

२

आशा सरकाथि

2598

ASMA ARCHIVES

ॐ नमः शिवाय नमः
 तमया गमक स्मिन्मय
 यन्मया विजुदा वदिमि ॥ द
 ॥ सत्ता को यो किं स्यायं कल
 गल्लय वा ब ॥ रागवानाद



शीवक वीरसदा कालाय
 गवान्द वीनो रागवृथान
 याद ॥ रागवनरु वेष्टयमि
 यो ॥ द वय नदि सादय नि
 डल्लय न्नया रागवृथान

एवमगमगः कथयिष्यामि शृष्टं वियत्तगः ॥ उत्थलिं दिवा धरुन स्यराध साग
 वः समिय के लस्यरु लदाना बोधी ववगु ल्याद रे विरु कथ्याम् ॥ उत्ता दय ल
 दग ॥ गयय विव ल्ययः नाद दयथ सागन्य सय के उत्थलयः ॥ दयाद ॥ दय
 वन वज्र सल्लय न्नरा वद ॥ के नयथा कनी किं वसां यमि यमि कल्य न सल्य क
 य ॥ रागवानाद ॥ उत्थन्न सविलास यथा कूलिगा कास्ये नमि निमि गी ॥ यल वद

कावगर्भं नयायिन गेयसिद्धिर्न इव दे लया दे ॥ देवा ह ॥ वधवचनयध गूकृमिनी
जनसिद्धि वय ये वेष्टू यूष्यं द ॥ एगवाना ह ॥ यद्यगिर्ग म्बु व द वया ॥ यधयधय
हर्न गही व वं युका गय गी गि ॥ देवा ह ॥ एगवान व द दे दे क ग सा ना यः ॥ यका सा द्वा
सक मा ग्व ॥ एगवाना ह ॥ दारि ह वा य ए वं गि ॥ गाः स्वा सी या धी य गि व धा गि गी व
उहर्न ग ॥ उच्चा सी व द्द सूर्य यार्ग मन सी र्वा ना व म्बु च गे म्बु क विंग गि ह द सा मि स द्

गाधिर्क निर्गम नाग ॥ गय सा सा द्वा ह दे वः ॥ देवा ह ॥ एगवान किं म्बु का ग
य गि ॥ यध क म द व न क म्बु गि ना वा य न व ॥ सा या ग्दृष्टि यु या डिर्ग ल क्से रा व ख गी
सी य गि धर्न दा वि दं व वा क ग या व मा न का य य डिर्ग य या ग्म द ॥ गि ॥ एगवाना
ह ॥ द दे वी र्ज वृद्धी य स स्वाः सी सा व सी स र्ग गि स्म ॥ ग न मा द्वा क म द व व व द्द य दि
या गि न ॥ य वि सा ध न ग्दृष्टि ना ॥ गि ॥ देवा ह ॥ एगवान म्बु का ल किं म्बु

मराहगवानादगमदाकालमदाबोद्धयस्यकालसंख्यायप्रियाधिनलयासाहि
मंयुगिदिनंगधनायस्यपुदवगिगममदाकालमित्येकंनोयद्वानदार्ककाल
यस्यसमदाकालःमदाकालस्ययनिकवमगगममदाकालनकिंमाह्यागंद
कावयिभेगथामूवकालनकिंमूयमेराहगवानादगमदाकालनविलकव
सादाकावयस्यसदिगैयहवकावद्वयाद्यर्थनयागमकालंयहयायेनमदाक

ब्रह्मसम्बन्धिगगिरुक्तनाडाटनेवाहिवारकंयागगवोर्धायथनययंवावय
गिगीदमकुडिगिराहथवावद्वेगवोवर्चिकावर्चकालीकावेवकुलिगवोव
पुनरिदनात्कठोयवाविमाहगवोवयलशावाःसवच्चनिमयदधेयगिययनि
समलकालामूकिंकीकिंमनरावेरावेरावगुकाकनयनरावेनसंययनेग
नयनरावेनसम्ययनेगगनरावसिकंयहमविलनेवयकालियेवमलि

यच्चन्यागवृद्धनस्यगुदिकास्यदोनिहसुखमानेरुमिषाधयग।दगदसंयत्
यग।गुगिकवृद्धमगगुनस्यार्थवृद्धलकालेसाधदसुमाने।आधयग।मिः
विहसंयद्वननसदृगुं।नायाधसुवृद्धदसुमानेवृद्धलकावैरुमिषाधयग।
।गुदसुयद्वन्यसिद्धिवनसुमाने।गधाणनध्वयदकसर्वेभुकेनयुधनशद
याग।सर्वेषांसिद्धिमांसिद्धिरुलायदमिगीएवनि॥००मिगीमहाकालगुवृद्ध

[illegible]

महानादेकलालविक्रमक्रिमीदः ददश्यवशसिद्धिदायकाय स्वादासादगुरुकस्य ॥ ॐ
 दं दुष्कटरेववायसं श्रुं श्रुं श्रुं श्रुं स्वादासादगुरुकस्य ॥ सर्वकर्मकनः सर्ववृद्धं न
 मरुर्गसाधयगु ॥ सुवनययय ॥ यमिदु गिगीक नागि ॥ ॐ यमय ॥ श्रायय ॥ वल ॥ यामाल
 स्वध्वज्वादिशृङ्ग ॥ वलिदः ॥ यदः ॥ वमदः ॥ ववाय स्वादासादगुरुकस्य ॥ नमः
 धवलिदद्यात्युगिदिने सर्वसिद्धर्थ ॥ ॐ मां मां वदं मां वदययायदं वदं ॥ ॐ नमः ॥

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

विष्णुनिष्कृतिरायदि नमदायुः। एता नमने सर्वसाधने मदानन्दधामने मदाका लस्य मलः
 मज्जनमदाका लस्य मलः। एता नमने सर्वसाधने मदानन्दधामने मदाका लस्य मलः
 मज्जनमदाका लस्य मलः। ३। अथ शिर्वकवटलस्य मलः। अथ मज्जनमलः।
 लस्य मलः। अथ मज्जनमलः। अथ मज्जनमलः। अथ मज्जनमलः।
 मज्जनमलः। अथ मज्जनमलः। अथ मज्जनमलः। अथ मज्जनमलः।

१२

१२

सखीपूठे देवास्तमे वीर्यमयाया गिनीय विवकीति नानव नय मज्जनमलः।
 मज्जनमलः। अथ मज्जनमलः। अथ मज्जनमलः। अथ मज्जनमलः।
 मज्जनमलः। अथ मज्जनमलः। अथ मज्जनमलः। अथ मज्जनमलः।
 मज्जनमलः। अथ मज्जनमलः। अथ मज्जनमलः। अथ मज्जनमलः।
 मज्जनमलः। अथ मज्जनमलः। अथ मज्जनमलः। अथ मज्जनमलः।

प्रमद्वंमदामानाससर्वनालकंविह्यत्तयिहयास्ति यनसत्त्वस्यदः॥६॥इति॥यथामा
नीदथययगवन्डनाएतयदिरयम्॥१॥शिरिषकेष्टकमलादेवाःकालस्यसमययथ॥
०॥मिथीमहावालगुणवकाशिरिषकेष्टकलःवदुर्थः॥ ४ ॥देवगालिषकेष्टकः
स्वामः॥यथमंदयाशिरिषकेष्टकमानकलगेवमृगेवमृदवीशिरिषकेष्टकदिवमस्यमि
मनेवदिविदिगेवमृगेवमृदवीशिरिषकेष्टकमानकलगेवमृगेवमृदवीशिरिषकेष्टकदिवमस्यमि

मंयंवासुगेदोनेवदयावसिमायविपुष्टयविपुष्टादवमीजीयस्यदहिरवनि॥१॥कलु
कावसुगचंयथामृशिरिषकेष्टकमानकलगेवमृगेवमृदवीशिरिषकेष्टकदिवमस्यमि
महाकालगुणवकाशिरिषकेष्टकलःवदुर्थः॥ ४ ॥देवगालिषकेष्टकः
स्वामः॥यथमंदयाशिरिषकेष्टकमानकलगेवमृगेवमृदवीशिरिषकेष्टकदिवमस्यमि
मनेवदिविदिगेवमृगेवमृदवीशिरिषकेष्टकमानकलगेवमृगेवमृदवीशिरिषकेष्टकदिवमस्यमि

वनारिष्यकयबावनकाधिर्गोदवादिमृदासुधुर्नवाकस्यसर्ववीवीकमकुयटलेयाक
 उदयादीजकंनियानिभूसदृजानाकिभूयिर्धंवीजयरावर्विंरावाहवावनकाधयसमय
 पूवकायवमगसागवानाह॥को०००यनयिद्ययिबसदाकालउलिशू०००कुरुलनयनय
 मृदाजिगसाशू०००कबधीशू०००नवाविशू०००गदिमदानीसनिरबवा०००शू०००दिद०००
 मशू०००मरेदबकालिउलय०००शू०००वाशू०००दुदुबनामय०००सनिवापूदकसुनी

१५

विष्णुसमवाविशू०००साबधीरावसासकिगदिवा०००शू०००नागगिगेवनानम
 निःशू०००नीवाएवधमालागतिशू०००गदिमनिशू०००सवाधनिदूदुका०००शू०००उ
 मदुवाय०००लि०००शू०००॥शू०००मदाकालदुयधयधसुदवयाग०॥ ॥ध्यान
 कविकुनविदयसदृगसा॥सदधमदूदुकाथायानितीरि॥नाहशिधमस्यीनाठयग
 यवमेरुदयद॥शूनगेवातदक्रयजसुगाय॥मधवातनेवववसाशिवनलालमव

जायान्मनेदुःखं यत्तु ननु धूर्तिं गच्छादि हो गीयन्मसादबन्धुत्वे गी ॥ सिध्यवर्हि भस्वति
 लुक्कामदमः भानये दयाभयधनद्वयलेशगे ॥ यत्तु धूर्तिगोय गेल लोता जयत न्या गी ॥
 ह गीयवर्हि विचार्य लुक्सादि नापु नानाग च सना वाय अमर वगु ॥ यत्तु धूर्तिगोय गेल लोता जयत न्या गी ॥
 गाधिमानसं धूर्तिगोय गेल लोता जयत न्या गी ॥ यत्तु धूर्तिगोय गेल लोता जयत न्या गी ॥
 दासी गीयवर्हि धूर्तिगोय गेल लोता जयत न्या गी ॥ यत्तु धूर्तिगोय गेल लोता जयत न्या गी ॥

नोऽद्या नवाव नव नोय न वक्र धर्तु सर्वमूढ न सिद्धि युक्ता निधुर्वं ॥ देवाह ॥ एतत्तु व नु
 क्तु द्विय सत्ताथ दल कान्ति ॥ धर्तु नाना सिद्धि कान्ति ॥ धर्तु नाना सिद्धि कान्ति ॥ धर्तु नाना सिद्धि कान्ति ॥
 जीवि द्याय कथयिष्यामि द्वा विमूढा वर्य ह्यत्ता न नूय व ॥ धर्तु सर्वमूढा विमूढा वर्य ह्यत्ता न नूय व ॥
 मय कुमला ह्यत्ता न नूय व ॥ धर्तु सर्वमूढा विमूढा वर्य ह्यत्ता न नूय व ॥ धर्तु सर्वमूढा विमूढा वर्य ह्यत्ता न नूय व ॥
 यत्तु धूर्तिगोय गेल लोता जयत न्या गी ॥ यत्तु धूर्तिगोय गेल लोता जयत न्या गी ॥

वसवो दधिक्षि लावनी दधुर्था विनो रिः य विव विगै रगवर्नं दं का लि विगानि सुदः
 लं पूद का बा धन सौ स्थि गै द वं गूय गा दि स्व ल व न स व र ग व य ग ड्ड ग ग द्रं का व वो र्द नि
 रु स ग दा क थ य ग ग द नू व ड्वा र्द ज ल मि स व य ग ग य म वि स द्य व द नू र्द व य थ म मू र्द
 क र्द द क्रि म ना दि गै व म गू र्द य मि न वा ना द मू र्द ग य द ग य र्द लो र्द व द स्थि ग
 क र्द व र्द ल म द र्द म व क क मू र्द यि ला व न ड्ड क र्द य थ म मू र्द स ग द द न मू र्द

२०

द्वा द म य ड्ड य थ म व म गू र्द यो म्ना लि गि मी द वों म्ना र्द द द्वा द न्ना न जी गै र ग व या दि
 गो र्द ड्ड र्द ग व म लो र्द गो र्द यि र्द ल व द्वा र्द क याली य वा म ग ड्ड व र्द धु र्द य र्द वि ना य
 द न्द द क्रि म दि गो र्द यि र्द ल व द्वा र्द मू र्द ल व र्द व र्द म ग ड्ड व र्द क र्द व र्द
 द्वा ला क र्द क याली य गो र्द द्वा र्द र्द स व म व द द्वा र्द न वि दि द्वा र्द ल व र्द गि लि वि
 ला य म न लो क र्द य र्द यि र्द ड्ड ग गि म र्द व र्द व र्द न र्द य र्द स र्द न न यि र्द गि लि वि द्वा

सुप्रसन्नो कालिका कूलि वंशो वर्धिका शिः यदिव विगं स च द वी सै प्रयाद्वि यै वरु
गय विव क वेः सना मा सने व वि ग य म्मु क म द्वा काल ० ० नै ॥ दे वा द ॥ रा रा ग व नु क थो सि
अ नो ऊ ना ० ॥ स को य दे व गा नू य ॥ रा ग वा ना ह ॥ उ मा दे वी या म ल स लु व न व वि न ॥ यो रं
म द्वा काला नो मा शि त्र क्षी व ल म ने ग व न ० ॥ नि धे लु सि सि धि क्र य ० ॥ य थ म स स वा म द्वा क
ल सि धि मू ल नी ॥ रा न क ल्पि गाय रा न पू रा व नि न नि न ० ॥ स गृ हे वृ नि रा काल स

मादि गा द मि गि य ग सी यं व कू लं वि द व ग ॥ य ह न वि का व य ॥ य नि नी नि र्ये ॥ रा रा
कै क व य वि क न ना व य न दि शि ० ॥ म द्वा म स ल कू द ह नै वं व यं व म्ग मी य र क
य नि र्ये सि धि गि सि धि का क्रि ॥ य या नि न य गे कू लं य वा वि द व ग ॥ क यि ल ना म म्
नू या ग द ॥ म द्वा काला म्द म यि व न स ल व य न ॥ य मी व ल म लु क म द्वा व व ग
य कं दि नु डी रा व य न ॥ म्द य वा ॥ यि रा व य न ॥ स चै सि धि र्थ म्द सि धि र्थ य ल न य

वसुधा मातृवो मातृलिङ्गिगा देवगणं वन्द्युक्तुं कृता एव वरुणं नन्दानन्दे स्थिता विमलदंदि
का वेव सुष्ठु सवरा सतवरा वरुणा नीया एवार्कं ताता सिद्धि दायक यदंशो वरुण
राव सुवर्दिता दीर्घा न विहस्यं मदानन्दे सुसिद्धिं वरुणं दायकं वेव वरुणं दक्षिण
राव यगं यगं सवरा यगं मदिनी एव कृदहना दीनयं वासुगरी कानां वरुणं सदा
वर्कं वयं यदिविदिविदि किं नारायण यगं वरुणं वरुणं सतं गस्य वरुणः वयं वरुण

वगो र्यसिद्धि गत्ययगं वरुणं वरुणं नय वरुणं विद्वद्गं गगधकर्तृ वं गगदा इयि
न वरुणं यन वरुणं यन यदिविदिविदि यगं मदानन्दे विनिर्गं गतं दद्याद ॥ एव वरुणं
वरा वरुणं मद्यगं वरुणं यगं वरुणं मद्यगं वरुणं मद्यगं वरुणं मद्यगं वरुणं मद्यगं
वरुणं मद्यगं वरुणं मद्यगं वरुणं मद्यगं वरुणं मद्यगं वरुणं मद्यगं वरुणं मद्यगं
वरुणं मद्यगं वरुणं मद्यगं वरुणं मद्यगं वरुणं मद्यगं वरुणं मद्यगं वरुणं मद्यगं
वरुणं मद्यगं वरुणं मद्यगं वरुणं मद्यगं वरुणं मद्यगं वरुणं मद्यगं वरुणं मद्यगं

वादनीयः त्वं नृमहामवतलस्य विवरे न दशकमधुना वसिमिह दंदं वीर्यं
 गकिसकबो वसं वृद्धं यिं मयूद सिकाद्यः ॥ गक्रते दशं गम्य दिनादाश्च नवयिः ॥
 वक्रमोदगर्भोदवनकनीश्वरताजानू वश्या नो कलितव ॥ उग्वदीकूलिना रिधदो
 लार्हस्यगं वीर्यं मयूद लारिना ॥ आ वृत्तं नृमहामादि गावकवकनकालिभूतिव
 चैव ॥ उग्वरुहं सन्नसनादि शूकलिहमिकाज ॥ एवता कलजिभ्यः

रंज

नायदासीदाशगोत्रयानि गल्लुधादवीमनिवृत्तिन विद्यमं ॥ धाद नरुजं यविग्रहम
 यगं वृद्धं देवयुक्तं यनसत्त्वस्य दः ॥ र्वं विद नययम् ॥ यथजगज्जयं वसवद
 ॥ उग्रस्ययमश्रुविनायगं गल्लुधो व ॥ एवता नाद ॥ यथमीहं कालं विदि नय
 ॥ धाद नरुजं वृद्धं वरुवययूः सिद्धि का क्रिपः ॥ द्विगुं एकवर्कं वामकया लोद
 क्रिपुर्गं वीर्यं विस्थययववर्नं नृरो संख लायदास्तवग ॥ देवीनसिध्वं नि

१ उग्रस्ययमश्रुविनायगं गल्लुधो व ॥ एवता नाद ॥ यथमीहं कालं विदि नय

अभिमतद्वयगन्तव्यमन्त्रेन एव गिरि किं विद्वयकमः ॥ यिकट्कारे नानकादिके य
मूलः सकदिने गुरुसुसमन्विगेः यलनरा चर्कगुधु कयक्रियेयकस्य यगुसस
साधयूक्त एव गाययभनदानकविंशगिदिनसमायुगमकुलपुस्तकस्य यगुसस
कविषयकविमन्त्रसूदगेन मूलक एव गुरु गेलरीयूक्तः ॥ क यिल्लद वेधय
विगकाकोडक एव कविंशगिदिनयूक्त एव कट्टवगुसमलकोरु लेर गिलमने

२०

लाभयसीयूक्तैर्यवनानामूरवमन्त्रेन नानासाजनीयैः एव कट्टयैयवयक्रिलगिनेमि
दीयगुगियूनः नानागसूत्रवपक्रियसददेवायवसयाववच्छालापगेरूककपूवेव
ऊयगुवावकूः यभल्लददिदीगमदाकालदुलगिकालादयुं जाडादिमरुल
यगवीयिकट्टमधूसमन्विगेः यवग ॥ कट्टयैल्लसल्लिखिगुरि शरीरमार्गवूय
क्रियारुद्रयग ॥ सासुनिदमिनयभ्यगिमतद्विद्धाः ॥ भायल्लयनेययल्लियागुन

छि लंयगि नूदी गो बा द के प्र काल य ग व हः स्व स्थ ल ग म दान व ली क वि च वे न्य व
म म य क्रि सा स्य क म गिल ग लेः य र क गि स क दि न य म य न ग न नौ द य ग म म म ल न
वि ल य म य गि र य ल स य म द र ग ग म य शिः ध म म स य ग गै ल ए न व न व क र म २६
द न य म म न द य गै य वि ल म म ल य र क द स ड स ड गै ल न व म क य ल क ड ल
म य ग म य म द र य म ल क द व व ड नौ र य व म द य म य क य ट म य क म द वि चो य म

गि म दि नि म म गि न क य वि ल न म द य म य क म य वि म म दि न्य वि च नि ग र र य क य
म य र क क ल स न म य म म य गै ल य व ग य व म द न ल म य न य वि द न ल यि य
म दि क म गै न ल य म क ड र क म म य म यि य ड क ता दि यि क ल म म य नौ व द म म
र क य म दि चो य म यि म दि नि य ध ड द न यि च क ल दि नै म र नौ व र गि म ल ग ल न
य न म य ल क दि स य म ल क र क म य म य य न दि न ल म य दौ र य म व ड यि र म

येन भयं दयति गनी पुलकं च वदति स क भयं दयति गनी पुलकं च वदति स क
 यगिदिन दृष्टमदि वस्य दृष्टा दृष्टविदग्गयथ साया विनीय यममदित्व दग्गयथ
 कयिजाया दयु र्थना सिकायूट न भयथ सय दग्गयथ लय मंडय मग्गयथ वेय र्थना सिकायूट
 सय मग्गयथ वेय र्थना सिकायूट न भयथ सय दग्गयथ लय मंडय मग्गयथ वेय र्थना सिकायूट
 उदग्गयथ वेय र्थना सिकायूट न भयथ सय दग्गयथ लय मंडय मग्गयथ वेय र्थना सिकायूट

[illegible]

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

नृकस्थसमूहः हि संयुक्तः कविलाखलावनामदनीयाः कुनवन्नसुविदय
महाहयवामनकाः लोडननीजयम् ॥ दिडैयभनिमदिनि वउदं ग्यरुडमूदमा
लिध्वनिद्याकानर्यमूध्वयक्रिययूवाकनमंजयम् ॥ दिवाह्वरागनिधियममम् ॥
मयदाभूयदंजनसिद्धिगदवावन्नम् ॥ यथच्छरुदतयोयानिकोयम् ॥ मूलानि
मिनिगमस्तन ॥ यथयन्त्रवाचमीडलागयमिनिधिनं गनमदाकालवद्वयवन्नो

यैरासर्वविद्यमानेभ्यमानवांसि यनेरुवमसायदुस्थननिधिवरिगुययुर्वनवतः
लायलान्धयनिगहसिवलिदन्तुवद्याधिरुनेधुर्वदत्तायभ्यगंगकालयगुह्य
न्यसिद्यमिनान्यथागमूथदब्बाहभरुहगवन्नुनयनिग्रयनिवसुमिनिधिगस्यद
ननेकथययनसलस्यदुःखददमिभरुयवनाहभयगुस्थिगबन्तुधनकिदत्तना
यनेवदन्तुसदसिनावाहवर्धनकथयिष्यामिमिभगलान्यथनरोडनेलालायदि

एगवनाल्लयकवममकवेस्तन्यकिदगेनार्थकथंएवगु।।एगवानाद।।गगिकि।
बधदलायी।।गगउमयलथिकालमगस्यमदिधसुययेगु।।कीकि कगदधवल
यीपिलाहसंरु।।ययविगामनमरवयक्रियगुटिकीसिगगु।।यथमदिवस्यवट ३३
मलदिगीयवज्यागंगालमूलैहगीयनालिकैवयुथंयुंजायचामनीयसुसिदि
मरुनागुटिकी।।समयएगवनामाववेसिगगिनान्यना।।योविनीसिदह्यवयुद

१
अंविजलंमूलसंगुल्लुङ्गाचैकयूयसमीकबधैयगुल्लयाखुगुटिकीसिग
गि।।ज्यायियूयैगिगिलतर्वगुगुकारयान्चिगादूगुधसिगीकहयमूरवल्लयनेदू
योनवः।।मूरहएगएवगिकह्यइहस्योदध।।गंविगमान्मयाग्यभाउग।।ऊरेववेरा
वयगु।।यगुधदएगदययचमगगुटिकीमूरवयक्रियमूरहएगएवगि।।मीगवल्ल
मूरदूकैवीडंशालमगुकेधयिदकसभागयवापिलदव।।धनमिगीकहयमकयि।

भाविद्वययविमिलिगं कृत्वा माजीवियि न गुटिकी कृत्वा मसकदिने भभभनयथा
 यानयग ॥ बायी वलायी यदि विभ्रात्ययगे ॥ गयगदाधठगगुडमकुधसकवलिदः
 याद्विप्रभाजि र्वगि ॥ गुडमाये सूर्यनिश्रुदग्धरवगि ॥ अथयवियाविगवियगक
 लंगभभनीगभनकटकगुटिलाकरसाये वगगीरुद्व्याग ॥ ओं क बालविकवानमदान
 देहं गुडकरकाठकीखादा ॥ दहनसक ॥ सिद्धिमेगलुचक्रगुटिलासूखयक्रियश्रुद

३३

एरवगि ॥ ईवृद्धोयदन्तुराययथागः सिध्यगीत्यवग्धमवश्रुदगेभागुलालीगुटि
 लकीकिर्कदिनेकीयक्रात्यश्रुजापृगदिनेर्दय ॥ गयकाकयवडासिगधगगोयननः
 मदीयग ॥ वटिकी कृत्वा मदाने लनयवग ॥ गगः यावदेसकदिनाकाययच्च ॥ गगाम
 धनियेवदिनेगगयिवा ॥ अलशा ॥ छदिनेकीगदाकयमाजीववक ॥ एविगं ॥ एदयक्रि
 ममसं ॥ एमापूरिर्मदीयित्वावरिकीयकृययवग ॥ मूखयक्रियश्रुदग्धरवगि ॥

कंयी वगुमयदाहृषगे गदाविषातक्रये वगमूलायहृषगी नक्रयेदवमूलयहृषसद
यदेनक्रयेदविहृषमूलैर्मृगगिवायकदेमूलैर्गोवपुयेदमृगगिहृषमदेनोयगमलद
क्रमययहृषममसकृणुटिहृषमृषवपक्रियदेवोमृषमृषानयग। यदागदमृहृषम
वगिगयविहृषीधोयदूःखेयदिहृषमृषाग। सिधुगिगदागु लिंकायदिहृषवेदहृषन
हृषगि। गमयवेदगुलिंकायसिधुश्चमृषायायननेदयग। मृषकथयसुमदिदीन

३३

मवववाकृषयिपूतनागबहृषगकीमिषमृषलहृषलिहृषिर्वकनीहृषयैवके
मनममृषु यिहृषकीदिहृषमृषायायननेदयग। गयः मृषनगीम
नमृषहृषमृषगि। कीदिहृषयिवगुमयमृषगेनिलोनीवकावलिहृषल्लेयुल्लो
हृषमृषिर्ववगिकीहृषमृषायायननेदयग। गयः मृषनगीम
दयेवातमृषयकादिहृषीधोयग। यैवहृषलेविहृषग। यूनः यूनः यैवहृषलेविहृषग।

विसृज्य गुरुभक्तनगलामुद्धोष्टुमूदेव नमस्कृत्य कृष्णकामगयविषयदिवंगदवा
 दमानमोक्तिः यगुसूद एवमि नसानदीयगुहोत्तमार्गलगायगुसगयगुदिसु
 वासवमागधवासदसुनमार्गलयगुगागगुहस्योनवगे लनयलनययगुसगुदयवि
 रसनिर्गं। यदास्यागुह एवमि निविगभवममंगलवासवसधूसानिर्वयगुहकव
 धवासववलयधमंगुहोत्तमोक्षनागधिवीपधमदिवगोयसुवधूहोत्तमोक्षगोमधय

३०

क्रियगुह एवमि मवर्विभक्तलेकग निमलिगमत्याधसेधववमसदिगीकुलाय
 वत्तमदगे लनयएकद एवमि। देवीमकुधसकधकयमिचकुयय। ० कीदिक
 दिनेकसायनैकत्वा निमददगुलस्यथाधगववमागु। उल्लाघवटदकवमनिगिध
 माधमनिदकगुयादस्यामि। एविद्वविधिगीमयलयनादद एवमि। अवर्वकया
 वगुदुतसुधमयागुमिक निमिदवाः। मूथस्यसबदः। देवमन्ममकविमगिगुलिर्ग

महाकालरुलराखीमु लिर्कं वकासुर्वीयिष्ठमधूनागलोत्यनीयवगुगिर्कं कावयगु
यथमसेकांगु लिर्कं वगासुर्वीयिष्ठमधूनागलोत्यनीयवगुटिकावयगु यथमसेका
उलिर्कं मरवयक्रियांगु लमागोद्विगीयः यथाद्विगीययं वसेगिल्लकं ॥ लल्ल ३८
उग्रह एषाएवगियूनः यथवसेमलवावेकसुवउदेसीगिल्ले मरवावीकयगु मरग
यथयगु मरदरल्लमूलिकादवेरामि नद्वेनवटिकाकावयगु ॥ देवीमनुमसकसु

यिल्लगुज्जतार्गयक्रियाह एषाएवगि ॥ सकदिनदेवीमनुमउग्रहामधूनागलोत्यनीयवगु
गुमदिनागधसर्ववीगु द्विमेनेत मरगवागाह ॥ देवीसुचेसिद्धिसाद्यगि ॥ देल्लया
देवाह मरगवतुज्जतार्गयदाविदरहयवीतिमानं गुदेहगव ॥ कथिमेकथयि
मिमिगितं वगिगीमहाकालगल्लवाकदेवीयविगु रूपादानामगुटिकाऽयटल
ममलदमः ॥ २ ॥ मरगवतुज्जतार्गयवक्रियाह देवीमनुमउग्रहामधूनागलोत्यनीयवगु

[illegible]

नयविमलकाण्डलकाननधाउगगुडमकुंभसयधरिमकिंगनयादमलयनाम्न
 मन्दीकारवगि।यधर्मलेखकःसमबगौकबध।गेचवलल्लुनदकेऽयूवोक्रम
 कुःमश्रियमनसेऽश्रुटयल्लयिगेत्यागमनिधिमिवकमर्गस्तकदीप्यदिकबसमचि
 गन।यिपुल्ललकतनागलदबगकौरल्लुटकीसमभिबेऽयादद्वयलयाश्रुनवे
 कारवगिमन्मन्दिषाविधिमहाकाविनिध्वद्वद्वद्विश्चनश्याटयश्चवश्चद्वेऽरुट

[illegible][illegible]

मदसगदनुश्रुयकनसुखगिकं कावमभुक्ति कायी श्रमनः शुके भसुचधयादद्वयः
यलययगु मृग विरु एवगिधुर्वगगधनजली नाना निरु रूणी कि वधसिजायय
द्वैसगचनहामिकं पट्टिय विज वसुववायुसर्वी ॥ १ ॥ गत्सर्वमल के सर्वमगदनीये ॥ ४१
यद्वै के नानाजीकरवगिग ॥ ॥ यदि अ सर्वलानयाय ग यो धसासिगदायुह व
यम्यागि एकाह माजी लयिले गृह्णायगु ॥ गदनुश्रु म्यागि एकाह म्यायिग नगदनु

उक्तमभुत्रजनसदयादद्वयस्य एकाह रंयलययगु ॥ ॥ मृग नवीरुयदलनैद्वयदिन
एवगि एवनामि गयुश्रुयगदासुर्वधम्यायिनस्य गेमयाविसीगदनि वादमका मृ
अवयव गगियवयुविग्धदेवी गयुसफवा मृकावयगु ममनः गीलवृष्ट के श्रुय
यैकाह दोययत्तमगगौकच वंनववान्म वसुह नलि केयादलययगु गवदमम
धुर्वगत्तवलि शानवः ॥ गयु गलिह्वी नाना सिद्धिदायवयव नानागी गयुमधि

गोदेव ॥ ॐ निमदा कालग नेपादू कथं लोद गमः ॥ २० ॥ राशूथ सर्वधर्म
यस्य सर्वं कथं नेपादू कथं लोद गमः ॥ २० ॥ राशूथ सर्वधर्म
सिद्धिने केन नृपयस्य कीयदेव गान्ध्यान् राशूथ सर्वधर्म
ॐ स्वविस्मयसिद्धिने केन नृपयस्य कीयदेव गान्ध्यान् राशूथ सर्वधर्म
यूनः स्वामीय कथिने भुरे रादू कथं लोद गमः ॥ २० ॥ राशूथ सर्वधर्म

यथा विलये वयं वदू लादिना भवसिद्धिनि राशूथ सर्वधर्म
चिकरयय विस्मयसिद्धिने केन नृपयस्य कीयदेव गान्ध्यान् राशूथ सर्वधर्म
नृपयस्य कीयदेव गान्ध्यान् राशूथ सर्वधर्म
विगीयदेव गान्ध्यान् राशूथ सर्वधर्म
दं राना ॥ ॐ निमदा कालग नेपादू कथं लोद गमः ॥ २० ॥ राशूथ सर्वधर्म

गीवालककोलयगनिगिस्यस्यगं वाचयूननैऊनैधववगियथागधः३६८
 सप्रसूनीसूचिवाचिसंगुचगभदीययुस्यक्रादित्यवाबनयकव्यठवठीकाबयग
 मगदनूसूनरालेनखन्नाकयालेकैऊनीयागयग॥काकैस्यलेठनयथयक्रिव
 ऊनगं॥आकाशेशूचयवमासगुलकीधर्यसंगुचैमंगलवाबराक्रयोगयै॥कृष्
 वलियदवधस्थाययग॥अध्याक्रयदिनदगिगदाश्रागधार्ददनीयै॥रूनय

४४

रगदिनदगिगगथेवधाठभरुऊनकैधरससारिमकिशुक्रगाक्रिधर्यमाइयग
 भववदंठीमाऊकागध्वैरूलसनायस्यद्वस्रवदुदंरणीकमनीयैरूनचंवागवक
 कूकूमकसुविवाविनलिगसनरूमूठिकामिचकमलयनकैवगसकलवलिध
 धिगसीलयार्वाहिककाययगवीऊयगसमधूनारवगियमववध्वै॥ ॥अध्या
 गसंयवध्वासिद्धदिकृष्टयागगध्वागयविविधस्यागससयागीमदाकालाधिविगठ

१. अदार्तः

[illegible][illegible]

[illegible]

29

[illegible]

मासकोनद्वयं स्वाद वरकधीर्य ॥ बसयगच्छाका बयिलं स्वस्त्रियिलयक्रालयग
 कल्लोदवधगगः स्वस्त्रियकवूर्ध्मसुसिका क्राविकदलोवृक्रस्यवगारि बवमि
 द्रुयल्लनगमोयिगं मावगे लुनगगव्ययिगैजादवधयगव्यक्रालयग ॥ भगोव ४८
 भगद ननकवैकीजिकेसवयवोदवदयदवस्त्राययगनगभ्राकयउल्लदकोनय
 काल्लईवोवैदववयिहयस्थाययगगगनमहानवनवगवैगगधमिलोदके

भगगगरीस्काव४

यक्राल्यवोदयदवैकस्थाययगगगननवसरीस्कावैमीदानीगुक्ककुरुयाव्यध
 मयकपयसैस्त्रयकाविकमदिषदधिरुलोदएधवस्त्राययगगयैवदिनीमाए
 भयदवदसिलोदयुवकीजिकेसवगगभ्राकयवादिगयिरुकेः ॥ कूलपिलस
 मदेनीयं गयैवनायगाययिलावोदकल्लईनीयैयदायदिनेकै ॥ भययगगगग
 चनीयैः ॥ दगकेयदकैसवसिद्धिधनार्थिनं ॥ गगगः स्कावद्वयस्थाययूकेभववस

यवैवैगयलस्यवकुर्धरागंयूधूकृत्स्नक्रययग्नादिउधममक्रुकेगमस्वयंयालि
गमस्लंदवैगयययंवेदलागस्त्रीयादवेगमस्वयंयक्रमकजावयग्नायौ०त्रिकायादि
लरुगः॥मग्निहृदंयुक्त्वामासुकेवैवैयलंदनागसुसुयगिगधुवैयिचुलसुनना
लिकामानननएक्रयग्नानबन्धकृत्स्नमधकार्यसिद्धिबवस्याग्नाकबृषापयदवेवैल
नयैकागासुययंवसंवसनसहबोदयदबयिगयंयिनिशामद्वामद्वेनीयंसिद्धिद

वधकडागदगूखादीनाबीकनसुलेएदययलेगानलिम्बगदगगनबद्धोच्चनविह
इष्टगुगदस्त्रियदमानेगवामादिरवगियदिरक्रययामौगिवसमंउठुलिगंस्वादेव
माधययदिनएवगिगदानएवेहागनीगधमार्गवसूनावायियावादद्वयान्त्रमडां
कटीःमडाः॥मग्निहृदंयुक्त्वामासुकेवैवैयलंदनागसुसुयगिगधुवैयिचुलसुनना
लिकामानननएक्रयग्नानबन्धकृत्स्नमधकार्यसिद्धिबवस्याग्नाकबृषापयदवेवैल

कामदेवोऽश्वत्थामावाहः ॥ इहोऽश्वत्थामावाहः ॥ इहोऽश्वत्थामावाहः ॥
 इहोऽश्वत्थामावाहः ॥ इहोऽश्वत्थामावाहः ॥ इहोऽश्वत्थामावाहः ॥
 इहोऽश्वत्थामावाहः ॥ इहोऽश्वत्थामावाहः ॥ इहोऽश्वत्थामावाहः ॥
 इहोऽश्वत्थामावाहः ॥ इहोऽश्वत्थामावाहः ॥ इहोऽश्वत्थामावाहः ॥
 इहोऽश्वत्थामावाहः ॥ इहोऽश्वत्थामावाहः ॥ इहोऽश्वत्थामावाहः ॥

यदि सिद्धिगिमन्तु न गन कं जय ग न नियग मे वय सिद्धिगि ॥ गभ गान सु लि काम नः सि
लाय क्ता वगुठ श्रुत मगुठ ॥ ययै धर्म गयै लययग ॥ सर्व वग वा वगै यानि ॥
०० गि श्री म हा का ल ग कु य ट लः स फा द ग मः ॥ १ ग ॥ ग म् च द्या द ग य ट ल व्या द्या ॥
॥ मः ॥ य न नाः य यानू क्त य य का व वी गै द कु रे व जै ॥ य व म गि वं म दं क य क्त ल द्या
ग वं वि स्ता व य नू न का य द नि द्रु वं म नः ॥ गि ला दि स्ता व य द नि द्रु वं ॥ सु व म वि स्ता व

यत्तार्ये निष्कर्वं ॥ मन्त्रमन्त्राः विवर्णनं वयमिच्छुर्वंदं निगन्तुं निगोमदा कालमन्त्र
 यादगयटलः श्रुतादगः ॥ १८ ॥ विवर्णनं वयमिच्छुर्वंदं निगन्तुं निगोमदा कालमन्त्र
 दिवा लोके न पदेयदा नृसुवर्ग ॥ गदा सर्ववृद्ध मदा कालं दद्यामर्कं रावयगुक्क ॥ १९
 मन्त्रमन्त्रं मदा लोके न पदेयदा नृसुवर्ग ॥ गदा सर्ववृद्ध मदा कालं दद्यामर्कं रावयगुक्क ॥ १९
 विवर्णनं वयमिच्छुर्वंदं निगन्तुं निगोमदा कालमन्त्र

१९

विवर्णनं वयमिच्छुर्वंदं निगन्तुं निगोमदा कालमन्त्र
 मन्त्रमन्त्रं मदा लोके न पदेयदा नृसुवर्ग ॥ गदा सर्ववृद्ध मदा कालं दद्यामर्कं रावयगुक्क ॥ १९
 विवर्णनं वयमिच्छुर्वंदं निगन्तुं निगोमदा कालमन्त्र
 मन्त्रमन्त्रं मदा लोके न पदेयदा नृसुवर्ग ॥ गदा सर्ववृद्ध मदा कालं दद्यामर्कं रावयगुक्क ॥ १९
 विवर्णनं वयमिच्छुर्वंदं निगन्तुं निगोमदा कालमन्त्र

वेयवावः। अथ यत्र सयत्रं उच्यते कुरु लनिदूने सिद्धादय नो वासवायुमद्य इव टयमराश्र
 दिसा माने सज्जस्य कुरुने। अर्जुनसमय उच्यते कया लक सिद्धि नरु लुटी समरागी क लोये मय
 इव टयमि नृदि सस्य यनि गवा वा दूमादी यलो वदानय सस्य कुरुने ध्रुवं गार्ह विगनी जय
 ठिगी खयै र कसूनी दल कं क लो क ला वे सुयमि वी क सस्य कुरुने। वा वि दे सस्य यनि म
 नन सस्य कुरुने दवा जी सस्य कुरुने ध्रुवं कथ गे गस्य को प्रम गस्य सस्य कुरुने। अथ सर्व सस्य सस्य न

दवा जी सस्य कुरुने दया लुट नयानि सर्व देवाः। क वय दसा मय। गच्छिमीम
 दा काल गच्छ वा क सस्य कुरुने। कान विगमि गमः पटलः। २२। अथ गार्ह यव मयि
 नृदि सस्य मादवी गस्य विना सवनि यथ लोकाः सप गद र्थ सवय ग। सदा ए व वं व क
 सस्य व कुरु व कुरु ल गे द वं कलि कया व द सस्य मदि र्वा दूदं कुरु नो ग विरु विगं विक न
 दनी र्द क री ए च न का दि रि र्वा न र्द। वा उ ग व कुरु नि उ लि री न ग न म। अथ व वं

मिहववादिनीयानवावगनगलवाभधुयक्रिययनःडीवगि ॥ अथरुगयगग ॥ व
सम्यकवकुईसीवाएवगसर्वययनलसाभनसदवयूरुबिकीकावयग ॥ अगिह
निवकीकैठकेमकुयध्वविधयग ॥ सदसेकेनसाफदिभसोयगध्वं ॥ असाधभग ॥ गं
गसायनकीवगिगनासि ॥ अदयदयनशददगिहलिकानक्रयेकागः ॥ गसाय
धारवगि ॥ मियगैगैगलवावेदिषवाजिकानलनलालक्रधंवलिरवग ॥ अक्रगिह

मिहववादिनीयानवावगनगलवाभधुयक्रिययनःडीवगि ॥ अथरुगयगग ॥ व
सम्यकवकुईसीवाएवगसर्वययनलसाभनसदवयूरुबिकीकावयग ॥ अगिह
निवकीकैठकेमकुयध्वविधयग ॥ सदसेकेनसाफदिभसोयगध्वं ॥ असाधभग ॥ गं
गसायनकीवगिगनासि ॥ अदयदयनशददगिहलिकानक्रयेकागः ॥ गसाय
धारवगि ॥ मियगैगैगलवावेदिषवाजिकानलनलालक्रधंवलिरवग ॥ अक्रगिह

मंरायकादकंयंकात्रमात्रगान्तिरेवगिरासमदावसमैलिदग्गदविगावकेनय
यदि कायीहंकावललाठकःकावेययैलिदग्गममविदसुयुकावदग्गदलायानो
मयगयगुसायाददयडोःकावकादकूकावःकाय।युदयगसयुकोहयसोयगदल
यकालिगेनयूनःइवगिरावृधवावदूर्ध्वलिदग्गममविदकेनगिलायीकधूयःग
कादेललाठहंकावानासिकायीमूवावैयोवर्कडयलसामंविदरंगुसुदुकाःव

नंते

यंनामशोशमिवर्धुहंकावेवोदस्यययगुसायकलारवगिरावकंताकिवकिरयूव
नेवयगान्तिःवृदत्यगिलिदग्गमयमययवकसाललाठहंकावेउदवनामविदसु
उवयक्रियगुसुदवमदनदीमोयगंसायगान्तिरेवगुकावयुकांलिदग्गमसु
युक्रमसुयहंकावललाठउःदुदयदययायमकुलकीलयगुसुदुकावकिधुवे
मनेयववावगानिधुवैलिदग्गममविदकेनयललाठलंयंशंकावदयहृदयनामगधना

[illegible][illegible]

उपलयाय गेधुर्वे ॥ वडुटे स्थीय च यो गिरिः सदा द्रव नाना रसादि के वमदि नी वर व
दृद ह्येन पूर्व क गुरु क यत्स ह्येन मर्क ॥ मादू य वाय गेधुर्वे ॥ वडुटे ॥ ज्ञाय द वे रा व य
दा ग धे व इ दू या सूरु द यू र्थी स ह सं य च र्द मदि नाना सर्व वट ॥ ७ ॥ य लाय न ॥ ७ ॥ ७ ॥
हं यट ग नू दू प द य शू रू दू ॥ अथ वि धा म कः ॥ अ ग लू ग न सर्वो य द व ग नि र व मि
उ द के य द र वे ग ॥ अ न न पूर्व क ये न गानि ॥ अं ड ल द र्द ॥ अ न न म क म क यि ला

७७

द्रा म्ब न स ह सं ड दू दू दू र्थी य व स ह सं द ग र्थ गे न द ॥ अ न ड ल य ध म्ब ध र्थ सर्व स
म्य लि च ष्ट य न र वे रु द र च ग क रू र्थी य व स ह सं म द न द ग र्थ ता यि व न धा द न म
द्वि द या र्थ व या गिरिः ॥ त अं नु वं ग नि य कू नू दः ॥ स द ह्येन न स र्व ग र्था र व दि नि य र्थ य
दि न र व मि ॥ स द द म व र्थ वान न र्थ क नो र्थ स र्व ध म्ब यि म्ब र्थ ग र्था र्थ गि न म्ब व र्थ
म व र्थ य ग य न म्ब र्थ ॥ अ य र्थ ॥ अ यि न क्रि य न म न द र्थ गी म्ब र्थ क र्थ क र्थ न

एवमगमस्यालकर्मलकरविधिनि। वावायाधिरुवनेवकासाद्वहवध्वज्जसमया
 लउयस्थिगारवमिहि क्रीयावयनविद्यामार्गिरवमेनियमोसिद्धिगस्यवृदंगमिधमंय
 नान्याप्रवयमिरायदिययायदियूनदृष्टावायकृमिपायगयदुस्यंयादगेवकयादि ८०
 नोयकल्यनामगागयसिद्धमेनायसैगायः। दाडुलयायागकृमिपाडलतदसुत्रवि
 वाडारुहवदाःखग्रयहिनापिगुह्यारुहमेसिद्धिवायार्थमेगादनायुगल्यनसै

८०

कावकः००गियोमदाजालमववाकदुर्ध्वदंगिठगतः॥ २४ ॥ अथमसीयवस्तु
 मियनसत्तासाधयगुकाभयसिद्धिनिगधनकेनायायनयाकमार्गीयदमिषासिद्धवे
 जानाव्यकल्यगेरुगलस्यवाचैसिद्धमिगमगःप्राव्यामिमागोयोयावदादस्यमेवे
 मवज्जमेवावुद्धावगुदस्येवनिषावाधगेवायसैगायः। यवमेनलयायुर्जिकेनमहा
 कालेकस्येवलकर्ममयवलिनादेमहादुष्टिप्रवमयवस्तुसंज्ञयागुसिद्धिरे

वसुदेवमासं सकृन्निधयः ॥ यद्यस्य कालः सैः सदसिंद कालयगुगवं कालेन मूद्वैलाध
 यिलामन कोटोऽयं ॥ बाधैव लरुगे यदि नर वगियन्न सदसु के सिचि गिनायथाः
 सर्वमव ०० देवक निधने नैव कलिगगधलाभमभनययगवायविदसु रवर्गैय
 होलापितपिवासेयुर्कैरीसुठयगिलरुगे बाधैः ०० अन्तसावधीयसुदूधः कल्यना
 वायादिभस्यावधकागगमनः गवोव ०० गिथीनहाकालगलुनाइयक्रवाक्यठ

लः यं वतिगगिगमः ॥ २५ ॥ अथयस्य वलावाधिसुखः नदासुखसंयुक्तं गदवा
 दगलरयव कोवा कामादयुजायन किं सुदूर्य गलगवानाद गगलिषिकाया
 नवः यूनः युगुद्गीयासं वदावैवयुदे म्भारुमीवाय अयलैसुवर्धुयक्रं कृत्वा
 मधुलंकाव यिलाययुक्त्वं वयुः काण देवौ लिखव न गदवन विर्याकावयगुग
 सैयहोव हनसूर्यधिः नानेयान सदाव वगिनयनं सिधगिसूदाने गावगागम्भ

यथा नवलपूनः हृष्टा विनीयुगाः ॥ ॐ गिरी मदा कालगन्धर्वकं मूढा मधुलव
दिशगिगमयटलः ॥ २५ ॥ अथ गिरी मदा कालगन्धर्वकं मूढा मधुलव
यूनगमनीयदिसिक्कने ॥ गिरी मदा मधुमासुसदेवयुनाः हृष्टा वज्रपागा गथाभि
खले गलिगय हृष्टा नगि यामोभादिलः ॥ ॥ क्रिया कावयटल मूढा ॥ वज्रयटल
स्त्रासे देहविलम्बना विरुद्धवक्रा ॥ ॐ गिरी मदा कालगन्धर्वकं गिरी मदा कालगन्धर्वकं

गिरी मदा कालगन्धर्वकं ॥ २६ ॥ अथ गिरी मदा कालगन्धर्वकं मूढा मधुलव
स्त्रासे देहविलम्बना विरुद्धवक्रा ॥ ॐ गिरी मदा कालगन्धर्वकं मूढा मधुलव
नगनिद्रादि कविनासेयदा विना कालगन्धर्वकं ॥ ॐ गिरी मदा कालगन्धर्वकं मूढा मधुलव
अथ गिरी मदा कालगन्धर्वकं मूढा मधुलव ॥ ॐ गिरी मदा कालगन्धर्वकं मूढा मधुलव
ॐ गिरी मदा कालगन्धर्वकं मूढा मधुलव ॥ ॐ गिरी मदा कालगन्धर्वकं मूढा मधुलव

मृगयै हिस सद्वान चे वीरुसाहोरुधो अविउड नैक दं लकां ॥ १० ॥ गिरीमहा
कालगनु बाऊ मृगसा विगगिगमयटलः ॥ ११ ॥ १० ॥ मृगयन क्रयडं वाद्यासामः ॥ वा
क्रमकूलेडागाया विगदिर्घलादृदवक्रः ॥ यो ववर्धुं कृकृवर्धुं वयवर्धुं लके भायवर्धुं ॥ १२ ॥
वाञ्जकिनी वक्रकूले वगुथा ॥ मृगय वस्य सना कृपा लक्रधसैयूरुं ॥ गिरी सिद्धिः ॥ आयुर्वर
दाय विगसाया चायुर्वारवाटायून वसुगका मृगगागान वा सिद्धिः ॥ आयुर्वनिमहा रेल

प्रस्य ॥ वादिनी मृगगिवावगधमद्या रेलवा ॥ १३ ॥ गिरीमहा कालगनु बाऊ वक्रकान विगमय
टलः ॥ १४ ॥ १० ॥ मृगय क्रयया लकथयिष्यामि ॥ यन विद्ययटं समाववगु ॥ यथा ससा सरउग
थाययमनी लहं काले विविच्यान यरुय सवका वयगु ॥ यायद गनादि कं वद्वदिहं विवि
त्य करि वगत्य विगं वक्रहं का बाधिदिगं ॥ १५ ॥ गल काले विविम्या लाने क्रयया लदिहं क
रि कया लहं यया लीरयट स्थिगं कूकूल वदने रुट कालनादद वी कट्टु वं नील वधुं

पिमीलावनेवयिण्डकगैयाद्यत्रमोम्वडिनवसनेगवृधिवैयवैगैद्वयानिचरुतावः
मिगारुवयगु॥०॥मिगैमहाकालगुरुवाङ्मसदृशद्वयकल्यणवमिदवासाविगमएन
दन्निमिग॥ ॥०॥यवैमहाकालगुरुवाङ्मवृद्धराशिगैमहाकालगुरुवाङ्मसमाय
मिगिग ३० ॥यधर्मोदययवद्वेदुर्गैयान्धगगः॥यवद्वेदुर्गैयानिवाधोगवैव
दोमहायमनः॥ ॥०॥यधर्मोदययवद्वेदुर्गैयान्धगगः॥यवद्वेदुर्गैयानिवाधोगवैव

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

2.598